Dainik Bhaskar (Indore), 27th July 2024, Page-06

IIT इंदौर में नए बीटेक छात्रों का ओरिएंटेशन प्रोग्राम, सबसे ज्यादा स्टूडेंट मैकेनिकल ब्रांच में

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर में शुक्रवार को बीटेक के नए छात्रों का ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। इसमें 101 छात्राओं, 1 ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया और 37 प्रिपरेटरी सहित विभिन्न प्रोग्राम में 477 छात्रों ने कोर्स शुरू किया। मुख्य अतिथि मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन एंड इंजीनियरिंग (एमसीटीई) के लेफ्टिनेंट जनरल केएच गवास थे।

इस वर्ष, स्पेस साइंस एंड इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग, मैथमेटिक्स एंड कंप्यूटिंग, इंजीनियरिंग फिजिक्स, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग और मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग एंड मटेरियल्स साइंस सहित कुल 9 बीटेक प्रोग्राम ऑफर किए जा रहे हैं। इसमें सबसे ज्यादा स्टूडेंट्स मैकेनिकल इंजीनियरिंग ब्रांच में हैं, वहीं दूसरे नंबर पर इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग ब्रांच में छात्र हैं। 2 साल पहले शुरू किए गए स्पेस साइंस एंड इंजीनियरिंग और इंजीनियरिंग फिजिक्स में 19 और 21 छात्रों ने प्रवेश लिया है।

छात्रों को सामाजिक आवश्यकताओं को समझना होगा - इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा, छात्रों को सामाजिक आवश्यकताओं को समझना होगा। इसे अपनी मुख्य जिम्मेदारी के रूप में लें और ऐसे समाधान विकसित करने के लिए नए विचारों के साथ आगे आएं जो सामान्य वर्ग के बीच रहने वाले लोगों के लिए फायदेमंद होंगे।

युद्ध में टेक्नोलॉजी महत्वपूर्ण

लेफ्टिनेंट जनरल केएच गवास ने छात्रों से कहा कि युद्ध में टेक्नोलॉजी निर्णायक कारक की भूमिका निभा रही है। एआई, रोबोटिक्स, अंतरिक्ष आधारित टेक्नोलॉजी, नैनो जैसी उभरती हुई टेक्नोलॉजी इनमें शामिल है। जबकि हम अभी भी दुनिया के सबसे बड़े डिफेंस इम्पोर्टर में से एक हैं। हमें इन टेक्नोलॉजी को स्वदेशी रूप से जरूरी डिफेंस कैपेसिटी में बदलने के लिए हमारे युवा, उज्ज्वल, अभिनव आईआईटीयन की आवश्यकता है। उन्होंने छात्रों को नवाचार को बढ़ाने की सलाह दी।